गुरू वंदना परिवार भिलाई नगर (छ ग)

विनम्र अपील

☐ (चतुर्थ बौद्धिक सम्मेलन 17 एवं 18 जनवरी 2009 तुलसी भवन जांजगीर के अवसर पर)

आदरणीय संत जनों ,

जय सतनाम

कर्नल इग्नू (तत्कालीन अंग्रेज शासक) ने कहा था कि ——

" अगर गुरू बालकदास जी 10 — 15 साल और जिंदा होते तो संपूर्ण छत्तीसगढ सतनाम मय हो गया होता "

गुरू बालकदास जी के संबंध में एक अंग्रेज शासक की टिप्पणी बहुत ही महत्वपूर्ण है ।गुरू बालकदास जी की हत्या (बलिदान)28 मार्च सन 1860 में औराबांधा (मुंगेली)में अमानवीय तत्वें ने षडयंत्र पूर्वक किये थे ।आज गुरू बालकदास जी हमारे बीच नहीं रहे. और न ही ऐसा कोई चमत्कार है. जिससे उनको जिन्दा किया जा सकता है । हां अगर हम जिंदा कर सकते हैं. तो उनके विचारों को. कार्यो को . उनके द्वारा प्रतिपादित संपूर्ण छत्तीसगढ को सतनाम मय बनाने के तरीका को ।सन 1825 में पहली बार अंग्रेज शासकों द्वारा शिक्षा का द्वार सभी वर्गो. समुदाय के लिये खोला गया । यह सिर्फ गुरू घासीदास जी द्वारा चलाये गये बौद्धिक क्रान्ति (सन 1820 से 1830 तक) का ही परिणाम है . इसमें कोई सक नहीं होना चाहिये ।समाज को संगठित करने की कडी में स्व(नकुलदेव ढीढीं जी को भुलाया नहीं जा सकता. जिन्होंने 18 दिसम्बर 1938 में पहली बार अपने ग्राम भोरिंग (महासमुंद) में गुरू घासीदास जयंती का शुरूवात किये । इतना ही नहीं सन 1961 में फागुन शुक्ल पंचमी. छठमी. सप्तमी को तीन दिवसीय गिरौदपुरी मेला का शुरूवात कर समाज को संगठित होने का माध्यम प्रदान कर दिये ।इसके अलावा अन्य गुरूओं. राजमहंतों सामाजिक कार्यकर्ताओं. सामाजिक संगठनाओं ने भी इस दिशा में अपने अपने तरीके से प्रयास किये हैं. जिनको भी नही भुलाया जा सकता ।

इसी प्रयास की कडी में हमारे भिलाई दुर्ग में भी करीबन पांच साल पहले सतनाम भवन सेक्टर 6 को केन्द्र बिन्दू मान कर प्रायोगिक तौर से प्रयास शुरू किया गया ।जिसका संक्षित विवरण आपके विचारार्थ निम्न प्रस्तुत है

1) दिनांक 13 व 14 दिस 2003 सतनाम भवन सेक्टर 6 में दो दिवसीय सतनाम चेतना शिविर का आयोजन ।संपूर्ण छत्तीसगढ से 101 प्रतिनिधियों ने भाग लिये । सामाजिक विभिन्न विषयों पर चर्चा हुयी ।

2) दिनांक 24 व 25 जन 2004 दो दिवसीय सतनाम केडर केम्प का आयोजन. जिसमें 20 लोगों ने भाग लिये ।

3) दिनांक 5 फरवरी 2004 प्रथम सतनाम केडर मीटिंग । समाज को जोडने के लिये सतनाम भवन सेक्टर 6 में प्रत्येक सोमवार को शाम 6 30 बजे गुरू वंदना शुरू करने का निर्णय ।

4) दिनांक 9 फरवरी 2004 सतनाम भवन सेक्टर 6 में प्रथम सामूहिक गुरू वंदना की शुरूवात । 26 लोगों ने भाग लिये ।

5) एक साल तक गुरू वंदना का कार्यक्रम सतनाम भवन सेक्टर 6 में ही चलता रहा ।इस दौरान सामूहिक गुरू वंदना, गुरू आरती , चिंतन मनन की प्रकिया में सुधार एवं एक रूपता लाने का प्रयास किया गया ।इसके लिये सामाजिक कार्यशाला, विभिन्न सतनाम केडर केम्प, सतनाम सत्संग एवं अन्य विभिन्न कार्यकमों का आयेजन हुआ ।16 अगस्त 2004 को घटित घुमका काण्ड के पीडितों को घुमका जाकर सहयोग प्रदान किया गया ।

6) दिनांक 7 फरवरी 2005 गुरू वंदना का प्रथम वर्ष गांठ संपन्न । इस अवसर पर सतनाम सत्संग एवं सतनाम भजन के साथ गुरू भंडारा का भी आयोजन हुआ, स्वागत पत्रिका प्रथम अंक प्रकाशित ।

7) गुरू वंदना के दूसरे वर्ष में गुरू वंदना का विस्तार– भिलाई दुर्ग के शहरी क्षेत्र के अन्य 10 सतनाम भवन / सतनाम धाम पर गुरू वंदना केन्द्र स्थापित कर गुरू वंदना शुरू किया गया।

8) अन्य विभिन्न कार्यकमों के अलावा तीन दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण सतनाम केडर केम्प का भी आयोजन हुआ ।पूरे छत्तीसगढ से 26 लोगों ने भाग लिये ।

9) दिनांक 13 फरवरी 2006 को गुरू वंदना का द्वितीय वर्ष गांठ संपन्न हुआ ।इस अवसर पर व्यवसायिक सम्मेलन का एवं सतनाम कला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ ।“सतनामी समाज को आर्थिक रूप से आत्म निर्भर बनाना जरूरी क्यों और कैसे ।” विषय पर परिचर्चा भी संपन्न हुआ ।स्वागत पत्रिका द्वितीय अंक का प्रकाशन ।

10) गुरू वंदना के तीसरे वर्ष में गुरू वंदना का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में भिलाई दुर्ग के 16 किलो मीटर में 10अन्य जगहों पर विस्तार हुआ ।

11) भिलाई दुर्ग के अलावा अन्य जिलों व प्रदेशों में भी गुरू वंदना का प्रचार किया गया ।

12) दिनांक 23 व 24 सितम्बर 2006 को कोरबा में तथा 15 अक्टूबर 06 को भाटापारा में “सतनाम का पुर्नजागरण एवं पुर्नस्थापना कल आज और कल ” विषय पर संगोष्ठी संपन्न में सहयोग ।

13) प्रथम चरण दिनांक 24 , 25 , 26, 27 मार्च 2007 को गुरू बालकदास जी के 147 वीं बलिदान दिवस एवं गुरू वंदना के तृतीय वर्ष गांठ पर छत्तीसगढ स्तरीय मोटर साइकिल संकल्प रैली का आयोजन ।

14) द्वितीय चरण दिनांक 28 मार्च 2007 को सामाजिक परिचर्चा विषय “गुरू बालकदास का बलिदान , समाज की दशा, दिशा एवं निदान ” ।स्वागत पत्रिका तृतीय अंक विमोचन ।

15) दिनांक 4 सितम्बर 2007 , गुरू बालकदास जन्माष्टमी (206 वां जन्म दिवस)के अवसर पर भिलाई दुर्ग के शहरी व ग्रामीण अंचलों में संचालित लगभग 20 गुरू वंदना केन्द्रों में सतनाम ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन ।इस प्रतियोगिता में करीबन 500 लोगों ने भाग लिये और सबको पुरस्कार दिये गये ।

16) 24 सितम्बर 2007 को सतनाम भवन सेक्टर 6 में विशेष आयोजन । सतनाम प्रतियोगिता में प्रथम, गुरू वंदना प्रभारियों, संयोजकों, पदोन्नत आफिसरों, विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वालों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया । “सतनाम ध्यान योग एक दिव्य मार्ग ” पुस्तिका की जानकारी एवं वितरण लेखक वेदानंद दिव्य द्वारा ।

17) 18 नवम्बर 2007 दादर (चरोदा)में गुरू वंदना की शुरूवात ।

18) 25 नवम्बर 2007 अल्प अवधीय सतनाम केडर केम्प ग्राम चिंगरी (अंडा)में ।

19) 10 फरवरी 2008 अल्प अवधीय सतनाम केडर केम्प नागपुर में ।

20) 18 फरवरी 2008 **टिप्स आफ दी फिल्ड कार्यक्रम** की शुरूवात ।

उद्देश्य :-

प्रत्येक सोमवार शाम 6 : 30 बजे गुरू वंदना के अवसर पर **टिप्स आफ दी फिल्ड कार्यक्रम** के माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अनुभवी सज्जनों से उनके अलग अलग विभिन्न क्षेत्रों में अनुभव को समाज को अवगत कराना । ताकि वे इस विशेष अनुभव का लाभ उठा सकें ।

21) 27 मार्च 2008 प्रथम चरण दिनांक . 27 मार्च 20078 को गुरू बालकदास जी के 148 वीं बलिदान दिवस एवं गुरू वंदना के चतुर्थ वर्ष गांठ पर मोटर साइकिल संकल्प रैली का आयोजन ।

22) द्वितीय चरण दिनांक 28 मार्च 2008 को गुरू बालकदास जी के 148 वीं बलिदान दिवस एवं गुरू वंदना के चतुर्थ वर्ष गांठ पर सामाजिक परिचर्चा विषय "गुरू बालकदास का बलिदान से समाज सबक ले । " का आयेजन ।

23) दिनांक 27 व 28 अप्रेल 2008

(सतनामी सग्राम के 336 वर्ष बाद प्रथम) दो दिवसीय अखिल भारतीय सतनामी सम्मेलन का आयोजन भिलाई में सपन्न हुआ । पूरे भारत से विभिन्न प्रांतो से सतनामियों ने भाग लेकर सतनाम धर्म को संविधानिक मान्यता दिलाने के लिये संकल्प लिये ।

24) दिनांक 26 अक्टूबर 2008

टीन एजर्स के लिये नैतिक शिक्षा एवं बौद्धिक ज्ञान शिविर का आयोजन सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई में

भविष्य की रूप रेखा

1) 5 फरवरी 2009 को सतनाम केडर दिवस का आयोजन ।

2) 9 फरवरी 2009 को गुरू वंदना के पांचवा वर्ष में दिन व दिनांक का संयोग के साथ ही **टिप्स आफ दी फिल्ड कार्यक्रम** का 52 वां सप्ताह पर विशेष कार्यक्रम ।

3) प्रथम चरण दिनांक . 27 मार्च 2009 को गुरू बालकदास जी 149 वीं बलिदान दिवस एवं गुरू वंदना के पंचम वर्ष गांठ पर मोटर साइकिल् संकल्प रैली का आयोजन ।

4) 28 मार्च 200 9 द्वितीय चरण दिनांक 28 मार्च 2008 को गुरू बालकदास जी के 149 वीं बलिदान दिवस एवं गुरू वंदना के पंचम वर्ष गांठ पर सामाजिक परिचर्चा का आयेजन ।साथ ही स्वागत पत्रिका का प्रकाशन।

5) छत्तीसगढ के समस्त जिलों में लगभग 20 000 गॉंव है । ऐसा अनुमान है

कि लगभग 1000 जगहों पर सतनाम भवन / सतनाम धाम जरूर होगें । इन जगहों पर आने वाले पांच साल में जब गुरू वंदना का 10 वां वर्ष गांठ तथा गुरू बालकदास जी के 154 वीं बलिदान दिवस (28 मार्च 2014) तक प्रत्येक सोमवार को शाम 6.30 गुरू वंदना का कार्यक्रम संपन्न हो. ऐसा प्रयास है। 28मार्च गुरू बालक दास जी का बलिदान दिवस समाज के साथ ही साथ शासन प्रशासन में भी मान्यता मिल सके ऐसा प्रयास भी जारी रहेगी ।

आप सभी से निवेदन है. कि इस छोटी से प्रयास पर चिंतन कर . सलाह देकर. सहयोग प्रदान करेंगे ।

धन्यवाद

विनीत

गुरू वंदना परिवार. भिलाई∠ दुर्ग

संपर्क ः

एफ आर जनार्दन

लच्छी कुंज . ज्योतिबा मार्ग आर्या नगर कोहका भिलाई जिला दुर्ग (छ ग)

मोबाइल नं 09907182554

E mail ; frjanardan@sail-bhilaisteel.com

सामाजिक जानकारी के समाज के वेब साइट को अवश्य देखें

www.satnami.com